

tikern P. 3,3,15, Vārt. Nach NAIGH. 1,12 das n. angeblich = उदक Wasser. — 2) prägnant etwas Rechtes werden oder sein, Etwas zu bedeuten haben, gedeihen: सनेम मित्रावरुणा सन्तो भवेम व्यावापृथिवी भवतः RV. 7,32,1. यो वै भवति यः श्रेष्ठतामश्नुते AIT. Br. 1,13. 3,21. भवति वै स यो ऽस्यैतदेवं नाम वेद 33. ततो वै देवा अभवन्परासुरा भवत्यात्मना परास्य धातुव्यो भवति 39 (ÇAT. Br. 14,4,1,8). 2,15. TS. 2,4, 3,3. 5,1,3,3. ÇAT. Br. 1,3,4,16. 9,5,1,16. 13,3,4,2. भूयाम पुत्रैः पशुभिः SHADV. Br. 1,6. यत्तु वापिज्ञके दत्तं नेह नामुत्र तद्वेत् so v. a. Lohn bringen M. 3,181. — 3) mit acc. in Etwas hineinkommen, gerathen in, gelangen zu (act. med. DuĀTUP. 34,37. VOP. 8,17). वात्स्वनेन निदानेन कांस्यं भवतु दोहनम् MBH. 13,4587. स राष्ट्रं नाभवत् TBr. 1,7,7,4. यो वै भवति यः श्रेष्ठतामश्नुते स कित्त्वियं भवति wer Etwas ist und obenan steht, der geräth (leicht) in Verfehlung AIT. Br. 1,13. TS. 2,4,3,1. स इदं भविष्यति der wird es dazu bringen so v. a. der wird Glück haben 6,1,3,1. 6. 2,7,1; womit die andere Verbindung mit व्री (vgl. u. d. W.) zu vergleichen ist, z. B. क्वाक् ततस्तद्वति wohin führt oder geräth das? so v. a. das ist vergeblich TBr. 2,1,3,12. Hierher zieht WESTERGAARD MBH. 1,5366: पार्वतेनाभवद्भिर्मु, die neuere Ausg. liest aber पार्वतेनासन्नद्भिर्नु. — Vgl. भव. भवक, भवन, भवनीय, भवत् fgg., भवितर, भवितव्य, भवित्त्र, भवित्य, भव्य, भाव, भावुक, भाव्य.

— caus. भावयति (selten med.), aor. अवीभवत् P. 7,4,80, Sch. 1) in's Dasein bringen, in's Leben rufen, erzeugen, hervorbringen, bewirken, schaffen: भाविता: पूर्वज्ञातीषु कर्मभिश्च (so ist zu lesen) शुभाशुभैः VĀJUP. P. bei MEIB. ST. I,30, N. 54. प्रजासर्गमिमं पुनः । मिथुनव्यव्याधर्मिण्यो भूरिशो भावयिष्यसि BŪĀG. P. 6,4,52. तस्याम् — अत्मानम् — दश भावयो बभूव कन्यां च 5,1,24. (यः) सूर्यव्यां नष्टं भावयिता पुनः 9,12,6. नानाभि-नयसंनधान्भावयति रसान्यतः SĀH. D. 208. उपासनेनात्मविषयं विशिष्टं विज्ञानात्तरं भावयेत् ÇĀMĀ. zu BRU. ĀR. UP. S. 177. mit तिरस् verschwin- den machen, vertreiben: तस्यावलेपनं ज्ञात्वा कृद्भस्तु भगवान्दरः । तिरो-भावयितुं वृद्धं चक्रे R. 1,44,9. भावित und भावितक das Product einer Multiplication COLERA. Alg. 187. 343. auch involving a product of unknown quantities 187. — 2) fovere, Jmd hegen, pflegen, fördern, beleben, erfrischen AIT. UP. 4, 2. 3. भावयञ्छ्रमात्मना MBH. 13. 1364. PAÑKAR. 3, 11, 25. भगवाँल्लोकभावितः MĀRK. P. 108, 21. ऋतुविरचित-भागीस्त्वं सुरान्भावयाम् ad ÇĀK. 193. यज्ञभाविता: देवाः) Spr. 3736. देवान्भावयतानेन (यज्ञेन) ते देवा भावयन्तु वः । परस्परं भावयन्तः श्रेयः पर-मवाप्स्यथ ॥ BHĀG. 3, 11. ता प्रजाः) भाविता भावयन्ति कृद्यकव्यैर्दिवै-क्तः MBH. 3, 8763. 13, 4712. पुनः सज्जति वर्षाणि भगवान्भावयन्प्रजाः 3, 11878. परस्परस्य सुहृदो भावयन्तः परस्परम् 14, 710. मिथो निघ्नन्ति भूता-नि भावयन्ति च यन्मिथः BŪĀG. P. 1, 13, 24. तस्यामधत्त रेतस्तां भावयन्ना-त्मना 3, 23, 47. अत्मान् loc. भावयसे तानि भूतानि, 2, 5, 5. भावय भावितो माम् MBH. 1, 3243. दौर्हृदैर्भावितस्य 3, 751. ईश्वरं संप्रयद्यते द्विजा भावि-तभावनाः die selbst gefördert werden und Andere fördern 13, 1359. (सु-श्रेष्ठः) भावयन्तो भुवं देवीम् HARIV. 2973. महानदी द्वारवतीम् — प्रवेष्टा — भावयन्ती समन्ततः 8938. सूर्यः) पर्येति भुवनान्येष भावयन्भूतभावनः SĪR- JAS. 12, 16. MBH. 1, 8419. 3, 11891. सर्वे ते मुनयः नत्तलीकान्सर्गैर्भावयन् BŪĀG. P. 4, 1, 45. 1, 2, 34. अर्थेन संभूता राज्ञा न भावियामहे (pass.) वयम् vielleicht so v. a. sich schonen BHĀT. 16, 27. तेन पार्ययमुच्येन भावि-

तम् (पुरम्) gehegt, zur Blüthe gebracht MBH. 1, 6630. पृथुभाविता (= व-शीकृता Schol.) भूः BŪĀG. P. 4, 18, 13. विषयात्र भावयेत् huldigen, sich hingeben MBH. 12, 7165. — 3) an den Tag legen, äussern, zeigen: प्रणयाम् MBH. 4, 1202. परमां मैत्रीम् KĀM. NĪTIS. 3, 22. निर्मनस्कताम् 1, 35. शयीय भावितविषयविक्रियः DAÇAK. in BENF. Chr. 187, 6, 11. — 4) umwan- deln, umformen: यं यं वापि स्मरन्भावं त्यजत्यन्ते कलेवरम् । तं तमेवैति कैतिय तद्भावभावितः ॥ BHĀG. 8, 6. तद्भावभाविते चित्ते वृद्धभस्य कथादिषु SĀH. D. 141. ÇĀMĀ. zu BRU. ĀR. UP. S. 30. 33. 307. MĀRK. P. 58, 56. — 5) läutern (शुद्धिं DuĀTUP. 33, 73): योगैर्हेमेव दुर्वर्णं भावयिष्यन्ति साधवः । निर्वैरादिभिरात्मानम् BŪĀG. P. 3, 14, 45. भावयन्तपसात्मानम् Spr. 4410. v. l. तपसा भावितः सदा MBH. 1, 1729. 4585. Verz. d. Oxf. H. 55, a, 24. भावितवृद्धि der seinen Verstand geläutert —, gebildet hat SĀH. D. 204. भावितात्मन् (= शोधितचित्त Schol. zu MBH., = चिन्तित्तात्मन् Schol. zu RAGH.) dessen Geist geläutert ist oder der seine Gedanken auf den Geist gerichtet hat, SUND. 2, 14. MBH. 1, 9. 6630. 13, 1360. R. 1, 2, 44. 24, 20. RAGH. 1, 74. Spr. 360. RĀĀ-TAR. 5, 125; vgl. 2. भूतात्मन्. त्री-न्यथो भावयन्तो (गङ्गा) R. 1, 44, 48. यथा सुखगमः पन्था भवेच्चद्रश्मिभावितः erleuchtet (vielleicht भासितः zu lesen) MBH. 13, 4640. — 6) med. er- langen (प्राप्तौ) DuĀTUP. 34, 37. act. अग्निक्वेत्रनामकहेमिने स्वर्गं भावयेत् Schol. zu ĠĀM. 1, 25. भावित = प्राप्त, लब्ध erlangt AK. 3, 2, 54. H. 1490. an. 3, 284. fg. MED. t. 140. — 7) dem Geiste vergegenwärtigen, sich Etwas denken, vorstellen; erkennen (चित्तायाम् DuĀTUP. 33, 73): नास्ति बुद्धिरयुक्तस्य न चायुक्तस्य भावना । न चाभावयतः शान्तिः BHĀG. 2. 66. भावयन्नात्मानात्मानम् Spr. 4410. अपूर्वं भावयेत्प्रात्रं यच्चापि स्याच्चिरो- धितम् so v. a. halten für MBH. 13, 2187. अर्थमनर्थं भावय नित्यम् Spr. 3389. 3099. KATHĀS. 27, 33. ÇĀRĪG. SĀH. 3, 13, 43. KĀM. NĪTIS. 19, 28 (wo wohl अशुभयुक्तान् zu lesen ist). BŪĀG. P. 5, 7, 6 (med.). 8, 17, 19. PRAB. 91, 12. WEBER, RĀMĀT. UP. 324. स्वभावभावेन हि भावितावुभौ य- धेतुनिमित्रौ स्वर्सेन तौ तथा erkannt an Spr. 4397. तं तद्यं भावितुमर्हसि R. 4, 26, 23. — 8) Jmd überführen: निरुक्त्वे भावितः JĀĪN. 2, 11. MBH. 5, 1697 (= वर्धित Schol.). — 9) Etwas constatiren, feststellen: (क्षणम्, सात्तिभावितम् JĀĪN. 2, 50. ये भावा मयि भाविताः festgestellt, bestimmt Spr. 3682. — 10) vermengen; sättigen, einweichen (अवकालकाने, मिश्रणो DuĀTUP. 33, 73): रसान्गन्धान्भावयन्नेति देवः KAV. 133. एवं सप्तरात्रं भा- वयेच्छेषयज्ञे SĪR. 2, 72, 10. मूत्रभावित 12. s. 31, 13. अमभसि 67, 10. 153, 1. 500. s. ÇĀRĪG. SĀH. 2, 1, 23. 3, 8, 17. विचूर्ण्य भावयेत्सम्पक्त् त्रिवेलं त्रि- फलारसैः 13, 88, 94. भावित = वासित parfümirt AK. 2, 6, 3, 35, 9, 46. H. 414. an. 3, 284. fg. MED. t. 140. — 11) भावित ganz von Etwas erfüllt, beschäftigt mit: ये चैनं प्रतिपद्यन्ते भक्तियोगेन भाविताः MBH. 13, 1076. स्त्रीरत्नमेतत्तैलोक्ये सारं नो यदि वै भवेत् । कृतकृत्यास्ततः सर्वं इति नो भावितं मनः ॥ MĀRK. P. 18, 43. पुत्रादिधातुपुत्रादिस्वपारक्यादिभावितैः । अकृत्यमाणं कर्णैर्दुःखार्तम् 44, 31. रमय मया सह मदनमनोरथभावितया Git. 2, 11. शास्त्रज्ञानज्ञानकर्मभाविताः देवाः) ÇĀMĀ. zu BRU. ĀR. UP. S. 64. gerichtet auf: यदीश्वरे भगवति कर्म ब्रह्मणि भावितम् (= समर्पितम् Schol.) BŪĀG. P. 4, 5, 32. — भावित ÇVERĀÇV. UP. 4, 22 fehlerhaft für भा- मितः vgl. RV. 1, 114, 8. Vgl. भावक, भावन, भावनीय, भावयितर fgg.

— desid. भूभायति (auch med.) Schol. zu P. 7, 2, 12. 4, 73. VOP. 19, 5. 1) werden —, sein wollen AIT. Br. 2, 20. यस्मादुत्तरो कुभूषति तस्मादुत्तरो